भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2685

दिनांक 11 अगस्त, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

लू (हीट वेव) के कारण होने वाली अनिद्रा और उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव

2685. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश के कई हिस्सों में भीषण लू के कारण रात्रि में लोग, विशेषकर संवेदनशील वर्ग जैसे कि वृद्धजन, बच्चे, खुले में काम करने वाले और ऐसे लोग जिनके पास गर्मी से बचने के साधन नहीं हैं, अनिद्रा के शिकार हो रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ने रात्रि के समय अत्यधिक तापमान के कारण होने वाली अनिद्रा के स्वास्थ्य पर प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन किया है;

(ग) गर्मी से बढ़ते तनाव के कारण नींद में खलल से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों से निपटने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है; और

(घ) क्या सरकार गर्मी के कारण होने वाली अनिद्रा के कारण स्वास्थ्य पर बढ़ रहे दबाव से निपटने के लिए राज्य सरकारों को अतिरिक्त संसाधन आवंटित करने की योजना बना रही है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, एनसीडीसी के माध्यम से राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम' (एनपीसीसीएंडएचएच) को लागू करती है। एनपीसीसीएंडएचएच ने जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की है, जिसमें नींद के पैटर्न पर तापमान सहित पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव को स्वीकार किया जाता है। इन पर्यावरणीय कारकों का बुजुर्गों, बच्चों, बाहर काम करने वाले मजदूरों और शीतलन सुविधाओं से वंचित लोगों जैसे संवेदनशील समूहों पर अधिक गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

यह मंत्रालय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के स्वास्थ्य अधिकारियों को गर्मी से होने वाली बीमारियों के बचाव और प्रबंधन के लिए किए जाने वाले उपायों का विवरण देते हुए दिशा-निर्देश जारी करता है।

एनपीसीसीएंडएचएच के तहत जलवायु परिवर्तन और मानसिक स्वास्थ्य पर कैडर आधारित विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। इन्हें राज्य और जिला नोडल अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, पैरामेडिकल स्टाफ और मुख्य रूप से महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों जैसे संवेदनशील वर्गों के लिए तैयार और प्रसारित किया गया है।

यह मंत्रालय अत्यधिक गर्मी के स्वास्थ्य प्रभावों, जिसमें नींद के पैटर्न पर पड़ने वाला असर भी शामिल है, के प्रति सामुदायिक जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) से संबंधित सामग्री का प्रसार भी करता है। संवेदनशील आबादी के लिए अलग से आईईसी सामग्री तैयार की गई है।

राष्ट्रीय कार्य योजना, आईईसी सामग्री, प्रशिक्षण मॉड्यूल आदि का विवरण निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है: https://ncdc.mohfw.gov.in/includes/About/CentresAndDivision/CEOH.php

एनएचएम के तहत, सरकार राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर, नियमों और संसाधनों की उपलब्धता के अध्यधीन, उनकी स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

*****